आकाशवाणी श्री विजयपुरम

15.01.2025 समय : 1850

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत विस्तारवाद नहीं, बल्कि विकास की भावना से काम करता है।

- सतहत्तरवां थल सेना दिवस आज मनाया जा रहा है।

- गणतंत्र दिवस समारोह को देखते हुए अबरडीन जेट्टी से विभिन्न पर्यटक स्थलों तक संचालित होने वाले सभी पर्यटक जलयानों के स्थानांतरण की व्यवस्था की गई है।

- अंडमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने आम जनता और औद्योगिक हितधारकों से नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के अनुसार कचरे का प्रबंधन और निपटान करने का अनुरोध किया है।

- अंडमान एन सी सी इकाई की ओर से राष्ट्रीय एकता शिविर–दो हजार पच्चीस का आयोजन किया जा रहा है।

<><><><><><><>

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत विस्तारवाद नहीं, बल्कि विकास की भावना से काम करता है। उन्होंने कहा कि भारत ने सदैव खुले, सुरक्षित, समावेशी और समृद्ध हिंद–प्रशांत क्षेत्र का समर्थन किया है। श्री मोदी ने आज मुंबई में नौसेना गोदी में तीन प्रमुख नौसैनिक युद्धपोतों आई एन एस सूरत, आई एन एस नीलगिरि और आई एन एस वाघशीर का लोकार्पण किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज का दिन भारत की समुद्री विरासत, नौसेना के गौरवशाली इतिहास और आत्मनिर्भर भारत अभियान के लिए बहुत बड़ा दिन है। उन्होंने कहा कि यह गर्व की बात है कि तीनों अग्रणी युद्धपोत भारत में बने हैं। श्री मोदी ने सभी हितधारकों को बधाई दी। श्री मोदी ने कहा कि भारत हिंद महासागर क्षेत्र में सबसे पहले कार्रवाई करने वाले देश के रूप में उभरा है। इससे भारत, भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल में वैश्विक भरोसा बढ़ा है। प्रधानमंत्री ने मेक इन इंडिया अभियान को आगे बढ़ाने के लिए सशस्त्र बलों को बधाई दी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि यह वर्ष रक्षा क्षेत्र के लिए 'सुधारों का वर्ष' है और इस वर्ष के अंत तक रक्षा क्षेत्र कई सुधारों को लागू करेगा।

<><><><><><><>

सतहत्तरवां थल सेना दिवस आज गर्व और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान ने इस अवसर पर सैन्य कर्मियों और पूर्व सैनिकों को शुभकामनाएं दी हैं। राष्ट्रपति ने अपने संदेश में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने में सेना की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए कहा कि राष्ट्र मातृभूमि की सेवा में उनके द्वारा दिए गए बलिदान को कृतज्ञता के साथ याद करता है। उन्होंने संकट और आपदाओं के दौरान भारतीय सेना के मानवीय कार्यों की सराहना की। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सरकार विभिन्न सुधारों और आधुनिकीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है तथा सशस्त्र बलों और उनके परिजनों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। अपने संदेश में जनरल चौहान ने कहा कि यह दिन भारतीय सेना के अटूट समर्पण और साहस का प्रतीक है।

<><><><><><><>

गणतंत्र दिवस समारोह को देखते हुए अबरडीन जेट्टी से विभिन्न पर्यटक स्थलों तक संचालित होने वाले सभी पर्यटक जलयानों के स्थानांतरण की व्यवस्था की गई है। चौबीस जनवरी को फुल ड्रेस रिहर्सल के मद्देनजर सभी पर्यटक जलयानों को तेईस तारीख को जंगलीघाट जेट्टी में शाम पांच बजे स्थानांतरित किया जाएगा और यह जलयान नॉर्थ बे के लिए जंगलीघाट से संचालित होगी। छब्बीस जनवरी को होने वाले मुख्य समारोह, सत्ताईस तारीख को बीटिंग रिट्रीट के फुल ड्रेस रिहर्सल और उनतीस तारीख को बीटिंग रिट्रीट के मुख्य समारोह को देखते हुए सभी पर्यटक जलयानों को पच्चीस जनवरी को शाम पांच बजे जंगलीघाट जेट्टी में स्थानांतरित किया जाएगा। नॉर्थ बे के लिए जलयानों का संचालन जंगलीघाट जेट्टी से किया जाएगा। हालांकि, राजीव गांधी जल क्रीड़ा परिसर से नेताजी सुभाष चंद्र बोस द्वीप और नॉर्थ बे तक आई वी पर्यटक नौकाओं के संचालन की अनुमति पच्चीस और अट्ठाईस जनवरी को चार बजे तक दी जाएगी और उसके बाद तीस जनवरी से सामान्य संचालन बहाल कर दिया जाएगा। जेटस्की के सभी मालिकों को अपनी जेटस्की को निर्धारित तिथि और समय पर अपने निर्धारित स्थान पर स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है।

<><><><><><><>

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग की अंडमान निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने आम जनता और औद्योगिक हितधारकों से नगरपालिका ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, दो हजार सोलह के अनुसार घरेलू और औद्योगिक प्रतिष्ठानों में कचरे का प्रबंधन और निपटान करने का अनुरोध किया है। निवासियों से कचरे को अलग करने और उचित प्रसंस्करण और निपटान के लिए नगरपालिका के कर्मचारियों को सौंपने का अनुरोध किया गया है। सभी औद्योगिक इकाइयों को अपशिष्ट उत्पादन और निपटान के लिए प्रदूषण नियंत्रण समिति से आवश्यक सहमति प्राप्त करने सहित पर्यावरण नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करना चाहिए। विषाक्त अपशिष्टों का निपटान अधिकृत एजेंसियों के माध्यम से किया जाना चाहिए। उद्योगों को स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने और अपशिष्ट उत्पादन को कम करने के लिए भी जागरूक किया जाता है। लोगों से खुले में कूड़ा–कचरा न फेंकने और कचरे को न जलाने को कहा गया है, क्योंकि इससे वायु, जल और मिट्टी प्रदूषण हो सकता है। सिगरेट और बीड़ी के उचित निपटान पर भी जोर दिया गया है। सिगरेट और बीड़ी के गैर–बायोडिग्रेडेबल घटकों और जहरीले रसायनों के कारण पर्यावरणीय खतरा उत्पन्न होता है। अधिकारियों से सार्वजनिक क्षेत्रों और कार्यस्थलों में धूम्रपान को प्रतिबंधित करने और सिगरेट को फेंकने के लिए जुर्माना लगाने के लिए नगरपालिका उप–नियमों में प्रावधान शामिल करने का अनुरोध किया गया है। प्रदूषण नियंत्रण समिति ने कहा है कि स्वच्छ पर्यावरण और द्वीपसमूह की अनूठी जैव विविधता को संरक्षित करने के लिए अपशिष्ट प्रबंधन दिशा–निर्देशों का पालन करना जरूरी है। इसके अलावा समिति ने कहा है कि कचरे को कम करके, उसका पुनः इस्तेमाल करके एक स्वच्छ और स्वस्थ भविष्य के निर्माण में योगदान दे सकते हैं।

<><><><><><><>

एन सी सी निदेशालय के तत्वावधान में अंडमान एन सी सी इकाइयों द्वारा आयोजित विशेष राष्ट्रीय एकता शिविर–दो हजार पच्चीस कल ब्रिचगंज सैन्य स्टेशन में शुरू हुआ। बारह दिवसीय शिविर का उद्देश्य देश भर के युवाओं में राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देना है। शिविर का उद्घाटन करते हुए, एन सी सी ग्रुप मुख्यालय चेन्नई 'ए' के ग्रुप कमांडर कर्नल टी. हरितेजा ने सांस्कृतिक और क्षेत्रीय विभाजन को जोड़ने वाली ऐसी पहलों के महत्व पर प्रकाश डाला। सब लेफ्टिनेंट डॉ. कुसुम कुमारी ने द्वीपों की अनूठी संस्कृति और विरासत के बारे में जानकारी साझा की। कर्नल पंकज मोदगिल और लेफ्टिनेंट कमांडर रेयाज फारूक, एन सी सी के सेना और नौसेना इकाई के कमांडिंग ऑफिसर और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सत्रह एन सी सी

निदेशालयों के पचासी कैडेटों और द्वीपसमूह के पचानब्बे कैडेटों सहित लगभग एक सौ अस्सी कैडेटों ने भाग लिया।

इस बीच, एनसीसी कैडेटों ने चिड़ियाटापू जैविक उद्यान का दौरा किया। उन्होंने मुंडा पहाड़ समुद्र तट का भी दौरा किया। एनसीसी चेन्नई 'ए' के ग्रुप कमांडर कर्नल टी. हरितेजा के नेतृत्व में कैडेटों ने समुद्री तट के दृश्यों का आनंद लेते हुए क्षेत्र की अनूठी जैव विविधता के बारे में बहुमूल्य जानकारी प्राप्त की।

<><><><><><><>

खादी और ग्रामोद्योग बोर्ड, पशुपालन और पशु चिकित्सा विभाग, प्रशासन के सहयोग से पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में माहव्यापी कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेगा। यह प्रशिक्षण कार्यकम बीस जनवरी से शुरू होगा, जो डॉलीगंज, पोर्ट मोट, हटबे और डिगलीपुर के पशु चिकित्सा अस्पतालों में आयोजित किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य पोल्ट्री और डेयरी फार्मिंग में कौशल विकास को बढ़ावा देना और प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत आर्थिक सहायता प्रदान करके द्वीपसमूह में ग्रामीण विकास को बढ़ावा देना है। इस प्रशिक्षण में भाग लेने के लिए जिन उम्मीदवारों ने पहले ही अपने आवेदन जमा कर दिए हैं, उनसे बीस जनवरी को सुबह साढ़े नौ बजे अपने निकटतम प्रशिक्षण केंद्र पर रिपोर्ट करने को कहा गया है। इच्छुक उम्मीदवार सत्रह जनवरी तक मिडिल प्वाइंट स्थित उद्योग परिसर या उद्योग विभाग के विस्तार कार्यालय में आवेदन जमा कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार बोर्ड के तकनीकी सहायक से फोन पर संपर्क कर सकते हैं।

<><><><><><><>